मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 20 अगस्त 2019

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र,
जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	21/08/19	22/08/19	23/08/19	24/08/19	25/08/19
वर्षा (मि.मी.)	6	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	37	38	38	39	40
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	26	27	27	28	27
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	6	3	4	3	3
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	76	74	73	72	72
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	25	24	24	23	23
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	19	17	21	19	18
हवा की दिशा	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
		फसलों में खरपतवार नियंत्रण व पौधें की जड़ो तक वायु परिसंचरण के लिए अन्तः शस्य कियाऐ करें।
खरीफ फसलें		खरीफ फसलों में कीटो की रोकथाम के लिए प्रकाश प्रपंश का भी प्रयोग कर सकते है। इसके लिए एक टब या किसी बडे बरतन में पानी और थोडा कीटनाशी मिला कर एक बल्ब जलाकर खेत के बीच में रखें। प्रकाश से कीट आकर्षित होकर उसी घोल मे गिर कर मर जाएगे।
मोठ	वानस्पतिक	मोठ की फसल में हरा तेला व सफेद मक्खी के नियंत्रण के लिए डायमिथोएट 30 ई.सी.एक लीटर का प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।
अरण्डी	वानस्पतिक	अरण्डी की 30 दिन की फसल में 20 किलो नत्रजन प्रति हैक्टेयर की दर से दें।
मूंगफली		मूंगफली की फसल में पीलिया रोग के लक्षण दिखाई देते ही गन्धक का अम्ल 0.1 प्रतिशत या हरा कसीस के 0.5 प्रतिशत घोल का छिड़काव करे
मिर्च		मिर्च के खेत से विषाणु रोग से ग्रसित पौधो को उखाड कर जमीन में गाड़ दें। रोग को आगे फैलने से रोकने हेतु डाइमिथोएट 30 ई.सी. 0.1 मि.ली. लीटर का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।

(नौडल ऑफीसर)